यंत्रीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (नमस्ते)

संदर्भ: सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री रामदास अठावले ने कल लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में नमस्ते योजना का उल्लेख किया।

- **अवधि**: 01.04.2023 से 31.03.2026 तक।
- **उद्देश्य**: खतरनाक सफाई प्रथाओं का समाधान।
- **प्रमुख विशेषताऐं:**
  - ✓ इस कार्य योजना में स्वच्छता उद्यमों को चलाने के लिए स्वच्छता कार्यकर्ताओं को स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में एकत्रित किया गया है।
  - ✓ इस कार्य योजना में सीवर और सेप्टिक टैंक सफाई कर्मचारियों (एसएसडब्ल्यू) और उनके आश्रितों को स्वच्छता उपकरणों के लिए पूंजीगत सब्सिडी के माध्यम से आजीविका तक पहुंच प्रदान की जा रही है।
- **स्वच्छता परियोजनाओं के लिए पूंजीगत सब्सिडी:**
  - ✓ **5 लाख रुपये तक की परियोजनाएँ:** परियोजना लागत का 50%।
  - ✓ **5 लाख रुपये से अधिक और 15 लाख रुपये तक की परियोजनाएं:** 2.50 लाख रुपये + 5 लाख रुपये से ऊपर शेष लागत का 25%।
  - ✓ **50 लाख रुपये तक की समूह परियोजनाएँ:** प्रत्येक लाभार्थी का हिस्सा अधिकतम 10 लाख रुपये तक।
  - ✓ **समूह परियोजनाएँ:** अधिकतम प्रति सदस्य सब्सिडी 3.75 लाख रुपये, और अधिकतम समूह परियोजना सब्सिडी 18.75 लाख रुपये।
- **सब्सिडी विवरण**
  - ✓ एसआरएमएस के तहत जारी पूंजीगत सब्सिडी:
    - स्वच्छता संबंधी उपकरणों/परियोजनाओं की 286 इकाइयों के लिए 22.93 करोड़ रुपये जारी किए गए।
    - इससे 641 सफाई कर्मचारियों को लाभ हुआ।
  - ✓ **स्वच्छता उद्यमी योजना (SUY)** के अंतर्गत जारी किये गये ऋण:
    - राज्य चैनलाइजिंग एजेंसियों (एससीए) को 86.84 करोड़ रुपये जारी किए गए।
    - मशीनीकृत सफाई उपकरण/वाहनों की खरीद के लिए 2509 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

स्वच्छता उद्यमी योजना (SUY)

- इसे सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को लॉन्च किया गया।
- **उद्देश्य**: "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत स्वच्छता को बढ़ावा देना और सफाई कर्मचारियों और हाथ से मैला ढोने वालों को आजीविका प्रदान करना।

- **अवयव:**
  - ✓ पीपीपी मोड में भुगतान करना और सामुदायिक शौचालयों का उपयोग करना।
  - ✓ स्वच्छता संबंधी वाहनों की खरीद और संचालन।
- **पात्रता**: व्यक्ति, स्वयं सहायता समूह, मैनुअल स्कैवेंजर्स/सफाई कर्मचारियों और उनके आश्रितों का लक्षित समूह।
- **ऋण राशि: शौचालय के लिए अधिकतम 25 लाख रुपये, वाहनों के लिए 15 लाख रुपये।**
- **सब्सिडी: एसआरएमएस के तहत पात्र इकाइयों के लिए अधिकतम 3.25 लाख रुपये।**
- **प्रशिक्षण**: यदि आवश्यक हो तो वजीफे के साथ एनएसकेएफडीसी द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

ट्रांसलूनर इंजेक्शन (टीएलआई)

सन्दर्भ: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हाल ही में चंद्रयान-3 को चंद्रमा की ओर ले जाने के लिए ट्रांसलूनर इंजेक्शन (टीएलआई) का प्रदर्शन किया।

- ट्रांसलूनर इंजेक्शन (टीएलआई) अंतरिक्ष अभियानों में एक महत्वपूर्ण युक्ति है
- यह अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की कक्षा से चंद्रमा तक पहुंचने के उद्देश्य से प्रक्षेप पथ पर स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है।
- टीएलआई अंतरिक्ष यान को पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण खिंचाव पर नियंत्रण पाने और चंद्रमा की ओर यात्रा करने में सक्षम बनाता है।
- टीएलआई तब आयोजित किया जाता है जब अंतरिक्ष यान अपनी कक्षा में एक विशिष्ट बिंदु पर पहुंचता है जिसे 'पेरिगी' के रूप में जाना जाता है, जो पृथ्वी का निकटतम बिंदु है।
- ट्रांसलूनर इंजेक्शन (टीएलआई) निम्नलिखित प्रक्रिया के माध्यम से पूरा किया जाता है:
  - ✓ अंतरिक्ष यान की प्रणोदन प्रणाली उसके इंजनों को प्रज्वलित करती है, जिससे अंतरिक्ष यान में तेजी आती है।
  - ✓ त्वरण के परिणामस्वरूप, अंतरिक्ष यान पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव से बचने और चंद्रमा की ओर जाने के लिए आवश्यक वेग प्राप्त कर लेता है।

- ✓ टीएलआई बर्न की तीव्रता **और अवधि विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है** , जिसमें **अंतरिक्ष यान का द्रव्यमान, पृथ्वी की कक्षा में इसका वेग** और विशिष्ट **मिशन उद्देश्य शामिल हैं।**

भावी रणनीति

- ➢ एक बार जब टीएलआई सफलतापूर्वक पूरा हो जाता है, तो अंतरिक्ष यान को चंद्र प्रक्षेपवक्र पर रखा जाता है, और यह पृथ्वी से आगे बढ़ने के बिना चंद्रमा तक अपनी यात्रा जारी रखेगा।
- ➢ यह चंद्रमा की कक्षा के साथ प्रतिच्छेद करते हुए स्थानांतरण कक्षा में प्रवेश करेगा जो **एक अण्डाकार पथ है।**
- ➢ अंतरिक्ष यान चंद्रमा तक पहुंचने तक एक विलक्षण कक्षा में अपनी यात्रा जारी रखेगा।
- ➢ जब अंतरिक्ष यान चंद्रमा के करीब पहुंचता है, तब मिशन के लक्ष्यों के आधार पर चंद्र कक्षा में प्रवेश करने या चंद्र सतह पर उतरने के लिए चंद्र कक्षा सम्मिलन (एलओआई) जैसे अतिरिक्त प्रयास कर सकता है।
- ➢ टीएलआई का उपयोग विभिन्न चंद्र मिशनों में किया गया है, जिनमें अपोलो, चांग-ई और आर्टेमिस मिशन शामिल हैं।

इंडिया स्टैक

सन्दर्भ: भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (MeitY) और पापुआ न्यू गिनी के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MICT) ने इंडिया स्टैक साझा करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- ➢ इंडिया स्टैक में एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) का एक सेट शामिल है जो सरकारों, व्यवसायों, स्टार्टअप और डेवलपर्स के लिए एक अद्वितीय डिजिटल बुनियादी ढांचा प्रदान करता है।
- ➢ **इंडिया स्टैक में ओपन एपीआई की तीन चरण पहचान, भुगतान और डेटा शामिल हैं।**
- ➢ **इंडिया स्टैक का दृष्टिकोण भारत तक ही सीमित नहीं है, इसे किसी भी देश में लागू किया जा सकता है, चाहे उसकी स्थिति कुछ भी हो।**
- ➢ **इंडिया स्टैक में चार प्रौद्योगिकी चरण शामिल हैं:**
  - ✓ **उपस्थिति रहित चरण:** यह देश भर में सेवाओं तक आसान पहुंच के लिए सार्वभौमिक बायोमेट्रिक डिजिटल पहचान को सक्षम बनाता है।
  - ✓ **कागज रहित चरण:** यह डिजिटल रिकॉर्ड को भौतिक दस्तावेज़ीकरण की जगह लेने की अनुमति देता है।
  - ✓ **कैशलेस चरण:** यह निर्बाध भुगतान के लिए सभी बैंक खातों और वॉलेट के लिए एक एकीकृत इंटरफ़ेस प्रदान करता है।
  - ✓ **सहमति चरण:** यह डेटा बाज़ार को लोकतांत्रिक बनाने के लिए सुरक्षित डेटा संचलन की सुविधा प्रदान करती है।
- ➢ इंडिया स्टैक में आधार प्रूफ, आधार ई-केवाईसी, ई-साइन, डिजिटल लॉकर और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) जैसे प्रमुख एपीआई शामिल हैं।
- ➢ iSPIRT की ओपन एपीआई टीम इन एपीआई और प्रणालियों के विकास, विकास और प्रचार में योगदान देने वाली एक प्रो-बोनो भागीदार रही है।

एपीआई क्या है?

- एपीआई का आशय है एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफ़ेस है। यह सॉफ़्टवेयर अनुप्रयोगों को संचार करने की अनुमति देता है, जो डेवलपर्स को उनके आंतरिक कामकाज को समझे बिना अन्य अनुप्रयोगों से विशिष्ट सुविधाओं या डेटा तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।
- **कार्य:**
  - ✓ **संचार ब्रिज**: एपीआई विभिन्न सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों के बीच संचार की सुविधा प्रदान करते हैं।
  - ✓ **मानकीकृत इंटरफ़ेस**: एपीआई इंटरैक्शन के लिए मानकीकृत नियम और प्रोटोकॉल प्रदान करते हैं।
  - ✓ **डेटा एक्सेस:** एपीआई बाहरी सिस्टम से विशिष्ट डेटा या संसाधनों तक पहुंच की अनुमति देता है।
  - ✓ **कार्यक्षमता विस्तार:** एपीआई डेवलपर्स को तृतीय-पक्ष सेवाओं के साथ एकीकृत करके ऐप की कार्यक्षमता का विस्तार करने देता है।
  - ✓ **सॉफ्टवेयर एकीकरण:** एपीआई विविध सॉफ्टवेयर प्रणालियों के बीच सहज एकीकरण को सक्षम बनाता है।
- **उदाहरण:**
  - ✓ **ट्विटर एपीआई**: प्रोग्रामेटिक रूप से ट्विटर सुविधाओं तक पहुंचें और उनके साथ इंटरैक्ट करें।
  - ✓ **Google मानचित्र API**: Google मानचित्र कार्यक्षमता को अनुप्रयोगों में एकीकृत करें।
  - ✓ **Spotify API**: Spotify से गाने और संगीत डेटा प्राप्त करें।
  - ✓ **GitHub API:** GitHub रिपॉजिटरी के साथ इंटरैक्ट करें और मुद्दों का प्रबंधन करें।

लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार

संदर्भ: प्रधानमंत्री को उनकी पुणे यात्रा के दौरान लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना 1983 में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा की गई थी।
- यह हर साल 1 अगस्त को लोकमान्य तिलक की पुण्य तिथि पर प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को मान्यता देता है जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति और विकास में उल्लेखनीय और असाधारण योगदान दिया है।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के बारे में कुछ तथ्य

- बाल गंगाधर तिलक, जिन्हें लोकमान्य तिलक के नाम से जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान एक प्रमुख भारतीय राष्ट्रवादी और स्वतंत्रता सेनानी थे।
- उन्होंने भारत के लिए स्वराज (स्वशासन) की पुरजोर वकालत करते हुए प्रसिद्ध घोषणा की, "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा।"
- तिलक 1890 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए और 1916-18 में जी.एस. खापर्डे और एनी बेसेंट के साथ ऑल इंडिया होम रूल लीग की स्थापना में मदद की।
- उन्हें एक कट्टरपंथी राष्ट्रवादी माना जाता था और ब्रिटिश सरकार ने उन्हें "भारतीय अशांति का जनक" कहा था।

- तिलक एक राष्टवादी लेखक और पत्रकार थे, जो राष्ट्रवादी विचारों को बढ़ावा देने के लिए "केसरी" (मराठी में) और "मराठा" (अंग्रेजी में) जैसे समाचार पत्रों का उपयोग करते थे।
- उन्होंने 1884 में डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी की स्थापना की, महाराष्ट्र में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए फर्ग्यूसन कॉलेज और न्यू इंग्लिश स्कूल जैसे संस्थानों की स्थापना की।
- तिलक ने सामाजिक सुधार, अस्पृश्यता और बाल विवाह के उन्मूलन का समर्थन और महिलाओं के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने की वकालत की।
- उन्हें कई बार राजद्रोह के आरोप में जेल में डाला गया और जेल में ही उन्होंने प्रसिद्ध पुस्तक "गीता रहस्य" (भगवद गीता का रहस्य) लिखी।
- तिलक ने बिपिन चंद्र पाल और लाला लाजपत राय के साथ मिलकर लोकप्रिय नेताओं की 'लाल-बाल-पाल तिकड़ी' बनाई।
- 1916 में, उन्होंने राष्ट्रवादी संघर्ष में हिंदू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा देते हुए मोहम्मद अली जिन्ना के साथ लखनऊ समझौता किया।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भारत के जीआई टैग और शिल्प

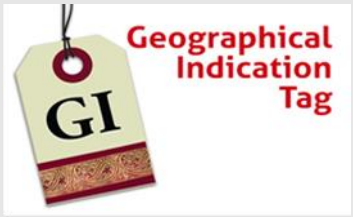

हाल ही में, चेन्नई में भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों के सात उत्पादों को जीआई टैग प्रदान किया, जिनमें से चार राजस्थान से सम्बन्ध रखते हैं।

जीआई टैग: भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति और उस क्षेत्र से निकटता से जुड़े विशिष्ट गुणों, प्रतिष्ठा या विशेषताओं वाले उत्पादों को दिए गए बौद्धिक संपदा अधिकार का एक रूप है।

राज्यवार जीआई टैग वाले उत्पाद इस प्रकार हैं:

राजस्थान Rajasthan:

उदयपुर कोफ्तगारी धातु शिल्प: जटिल डिज़ाइन, सजावटी हथियारों पर सोने-चांदी की तारों का काम।

बीकानेर कशीदाकारी शिल्प: शादी के उपहार की वस्तुओं पर जटिल दर्पण का काम।

जोधपुर बंधेज शिल्प: पारंपरिक टाई और डाई कपड़े की कला।

बीकानेर उस्ता कला शिल्प: समृद्ध सोने की नकाशी कार्य परंपरा।

गोवा:

गोवा मांकुर्द आम: आम की अनोखी किस्म, मनमोहक स्वाद।

गोवा बेबिंका: पारंपरिक इंडो-पुर्तगाली मिठाई।

उत्तर प्रदेश:

जालेसर धातु शिल्प: सजावटी धातु शिल्प, पीतल के बर्तन का उत्पादन।

राज्य मानवाधिकार आयोग

राज्य मानवाधिकार आयोग क्या है?

भारत में राज्य मानवाधिकार आयोग (SHRC) मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के तहत स्थापित एक स्वतंत्र सरकारी निकाय है।

क्षेत्राधिकार: यह संविधान की सातवीं अनुसूची की राज्य सूची (सूची-II) और समवर्ती सूची (सूची-III) में शामिल विषयों में मानवाधिकारों के उल्लंघन की जांच कर सकता है।

कार्य: यह मानवाधिकार उल्लंघनों को संबोधित करता है, कार्रवाई और राहत की सिफारिश करता है साथ ही कथित उल्लंघन के एक वर्ष के भीतर की गई पूछताछ के दौरान जानकारी मांग सकता है।

शक्तियां: आयोग अपनी प्रक्रिया को नियंत्रित कर सकता है, जानकारी मांग सकता है और पीड़ितों के लिए सिफारिशें, मुआवजा या राहत प्रदान कर सकता है।

संघटन: प्रत्येक राज्य मानवाधिकार आयोग में एक अध्यक्ष (सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या उच्च न्यायालय न्यायाधीश) और दो सदस्य (मानवाधिकार अनुभव वाले सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय या जिला न्यायाधीश) शामिल होते हैं।

मानवाधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2019: संशोधन ने राष्ट्रीय और राज्य मानवाधिकार आयोगों की संरचना और कार्यकाल का विस्तार किया, जिससे कार्यों के प्रतिनिधिमंडल में और अधिक लचीलापन आया।

पॉलीपिल

पॉलीपिल क्या है?

पॉलीपिल हृदय संबंधी दवाओं का एक निश्चित खुराक संयोजन है जिसका उपयोग एथेरोस्क्लोरोटिक हृदय रोगों की प्राथमिक और माध्यमिक रोकथाम के लिए किया जाता है।

हालिया समर्थन: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आवश्यक दवाओं की अपनी संशोधित मॉडल सूची 2023 में तीन पॉलीपिल्स को शामिल किया है।

साक्ष्य आधारित: बड़े यादृच्छिक-नियंत्रित परीक्षणों के आधार पर, पॉलीपिल्स ने दिल के दौरे और स्ट्रोक सहित हृदय संबंधी घटनाओं के जोखिम को कम दिखाया है।

योगदान: डॉ. सलीम यूसुफ और सह-शोधकर्ताओं ने 2000 के दशक की शुरुआत में इस अवधारणा का प्रस्ताव रखा, जिसमें हृदय संबंधी जोखिमों में 40% से 50% की कमी का प्रदर्शन किया गया।

पॉलीकैप: इस समय शामिल पॉलीपिल्स में से एक पॉलीकैप, चार दवाओं (सिमवास्टैटिन, रैमिप्रिल, एटेनोलोल, हाइड्रोक्लोरोथियाजाइड) और एस्पिरिन को जोड़ती है।

लागत प्रभावी हस्तक्षेप: पॉलीपिल्स को कम लागत वाला सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप माना जाता है, जो दवा के प्रभाव को बढ़ाता है और अस्पताल में भर्ती होने से बचाता है।

कार्यान्वयन: सरकारी फॉर्मूलरी के माध्यम से पॉलीपिल प्रिस्क्रिप्शन को व्यापक बनाने से निजी चिकित्सकों के बीच इसका उपयोग बढ़ सकता है, जिससे हृदय संबंधी घटनाओं और मौतों में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

पैलियो प्रॉक्सी

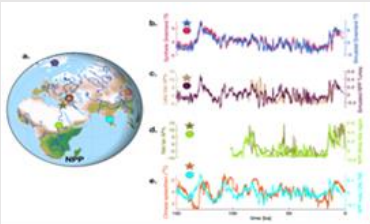

पैलियो प्रॉक्सी क्या है?

पैलियो प्रॉक्सी एक जैविक या रासायनिक हस्ताक्षर है जिसका उपयोग थर्मामीटर के आविष्कार से पहले ऐतिहासिक तापमान का अनुमान लगाने के लिए किया जाता था।

मापन आधार: प्रॉक्सी पिछले तापमान को आधुनिक आधारभूत मूल्य से विचलन के रूप में इंगित करता है, लेकिन यह सीधे तापमान को मापता नहीं है।

डेटिंग विधि: वैज्ञानिक प्रॉक्सी की उम्र का अनुमान लगाने और ऐतिहासिक तापमान भिन्नता निर्धारित करने के लिए स्थिर रेडियोधर्मी क्षय दर (जैसे, कार्बन या सीसा) वाले आइसोटोप का उपयोग करते हैं।

समय और स्थानिक पैमाने: पैलियो प्रॉक्सीज़ लंबे समय के पैमाने (सदियों से हजारों वर्षों) और स्थानीय या क्षेत्रीय स्तरों पर तापमान विसंगति का अनुमान प्रदान करते हैं।

सीमा: वे दैनिक तापमान या अल्पकालिक परिवर्तनों का अनुमान नहीं लगा सकते हैं, और औसत स्थानीय प्रॉक्सी पर आधारित वैश्विक अनुमानों में अधिक अनिश्चितताएं हैं।

जलवायु परिवर्तन अध्ययन: पैलियो प्रॉक्सीज़, होलोसीन युग की तरह, लंबे समय के पैमाने पर जलवायु प्रतिक्रियाओं में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

वैज्ञानिक सावधानी: पैलियो प्रॉक्सी से रिकॉर्ड तोड़ गर्म दिन के दावे करने में सटीकता की कमी है और इससे वैज्ञानिक विश्वसनीयता और जलवायु कार्रवाई के प्रयास खतरे में पड़ सकते हैं।

कार्बन कैप्चर भंडारण

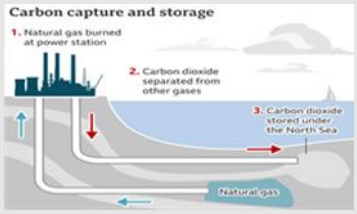

कार्बन कैप्चर स्टोरेज क्या है?

कार्बन कैप्चर स्टोरेज (सीसीएस) एक ऐसी तकनीक है जो स्रोत (बिंदु-स्रोत सीसीएस) पर उत्पादित कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) उत्सर्जन को कैप्चर करती है या पहले से ही वायुमंडल में जारी CO2 को हटा देती है (प्रत्यक्ष वायु कैप्चर)।

सीसीएस के प्रकार: सीसीएस में बिंदु-स्रोत सीसीएस (धूम्रपान के ढेर की तरह स्रोत पर CO2 को कैप्चर करता है) और प्रत्यक्ष वायु कैप्चर (वायुमंडल से CO2 को हटाता है) शामिल है।

सीसीएस प्रक्रिया: CO_2 को औद्योगिक गैसों से अलग किया जाता है, संपीड़ित किया जाता है और पाइपलाइनों के माध्यम से दीर्घकालिक भंडारण के लिए चट्टान संरचनाओं में गहरे भूमिगत क्षेत्रों में इंजेक्ट किया जाता है।

जलवायु लक्ष्यों में भूमिका: सीसीएस पेरिस समझौते के तहत निर्धारित वैश्विक जलवायु लक्ष्यों तक पहुंचने में सहायता कर सकता है, लेकिन सबसे पहले उत्सर्जन को रोकने पर ध्यान केंद्रित रहना चाहिए।

यूके सरकार का समर्थन: यूके सरकार शुद्ध शून्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सीसीएस परियोजनाओं में 20 वर्षों में 25.7 बिलियन डॉलर का निवेश कर रही है।

परियोजना के उद्देश्यों: नई ब्रिटिश सीसीएस परियोजनाओं का लक्ष्य भारी उत्सर्जन वाले क्षेत्रों (जैसे, तेल और गैस शोधन, इस्पात निर्माण) से उत्सर्जन को पकड़ना और उन्हें ब्रिटेन के तट से दूर ख़त्म हो चुके तेल और गैस क्षेत्रों में भूमिगत रूप से संग्रहित करना है।

सिद्ध प्रौद्योगिकी: सीसीएस 1970 के दशक से चालू है, जिसमें 200 मिलियन टन से अधिक CO_2 को विश्व स्तर पर संग्रहीत और संग्रहित किया गया है।

पिंगली वेंकैया

पिंगली वेंकैया के बारे में:

- पिंगली वेंकैया (2 अगस्त, 1876 - 4 जुलाई, 1963) एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, भाषाविद् और भूविज्ञानी थे। उनका जन्म वर्तमान आंध्र प्रदेश, भारत में हुआ था।
- वेंकैया तेलुगु, हिंदी, उर्दू, बंगाली, तमिल और अंग्रेजी सहित कई भाषाओं में पारंगत थे।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को डिज़ाइन करना:

- वर्ष 1921 में, बेजवाड़ा (वर्तमान विजयवाड़ा) में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक के दौरान, वेंकैया ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन का प्रस्ताव रखा।
- मूल डिज़ाइन में केसरिया, सफ़ेद और हरे रंग की तीन धारियाँ थीं, जिसके बीच में एक चरखा था, जो भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खादी आंदोलन का प्रतिनिधित्व करता था।

मान्यता एवं सम्मान:

- वर्ष 1947 में भारत को आज़ादी मिलने के बाद, भारत सरकार ने वेंकैया के योगदान को मान्यता दी।
- उन्हें 1955 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक, पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान:

- महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित होकर वेंकैया ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य थे और उन्होंने स्वतंत्रता के लिए विभिन्न अभियानों और आंदोलनों में भूमिका निभाई।

विटोरिया का बंदरगाह

हाल ही में, चार नाइजीरियाई स्टोव-वे अटलांटिक महासागर के पार एक खतरनाक और जीवन-घातक यात्रा पर निकले, जिसका समापन दक्षिणपूर्वी ब्राजील में विटोरिया बंदरगाह पर हुआ।

जगह: विटोरिया बंदरगाह ब्राज़ील में दक्षिण अमेरिका के पूर्वी तट पर अवस्थित है।

पोर्ट का प्रकार: विटोरिया एक बड़े आकार का बंदरगाह है।

जहाजों के प्रकार: बंदरगाह पर नियमित रूप से विभिन्न प्रकार के जहाज आते रहते हैं, जिनमें थोक वाहक (22%), सामान्य कार्गो (15%), अपतटीय आपूर्ति जहाज (11%), वाहन वाहक (10%), और पाइप परतें (7%) आदि शामिल हैं।

अन्य परीक्षोपयोगी तथ्य

- हिमाचल प्रदेश का राज्य पक्षी कौन सा है? - **जुजुराना (पश्चिमी ट्रैगोपान)**
- ट्विटर के प्रतिष्ठित पक्षी लोगो को एक नए लोगो से बदल दिया गया है। वह क्या है? - **अक्षर X**
- कौन सी नदी मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिको के बीच सीमा के रूप में कार्य करती है? - **रियो ग्रांडे**
- X-59, जिसे 'सन ऑफ कॉनकॉर्ड' के नाम से भी जाना जाता है, क्या है? - **यूएसए का प्रायोगिक सुपरसोनिक विमान**
- किस संस्था ने स्ट्रक्चर्ड फाइनेंशियल मैसेजिंग सिस्टम (SFMS) विकसित किया था? - **भारतीय वित्तीय प्रौद्योगिकी एवं संबद्ध सेवाएं (आईएफटीएएस)**